

**अमोक्ष** पुं. (तत्.) 1. मोक्ष न मिलना 2. बंधन  
वि. जिसका मोक्ष न हुआ हो, बँधा हुआ, अनुक्त।

**अमोघ** वि. (तत्.) 1. जो निष्फल न हो, अचूक  
2. लक्ष्यभेदी (पुं.) 1. अव्यर्थ, व्यर्थ न होने का  
भाव 2. शिव 3. विष्णु।

**अमोघदंड** वि. (तत्.) जो दंड देने में सबल हो,  
शिव।

**अमोघदृष्टि** वि. (तत्.) अमोघ (अव्यर्थ) दृष्टि वाला।

**अमोघवाक्** स्त्री. (तत्.) सफल वाणी। जो वाणी  
व्यर्थ न हो। वि. जिसकी वाणी व्यर्थ न जाए।

**अमोघशर** वि. (तत्.) अचूक निशाने वाला बाण।

**अमोघा** स्त्री. (तत्.) 1. कश्यप ऋषि की एक पत्नी  
जिससे पक्षियों की उत्पत्ति बताई गई है 2.  
हरीतकी, हरड़, विडंग (जो रोगचिकित्सा में  
निष्फल नहीं होती)।

**अमोचन** वि. (तत्.) 1. जिसका छूटकारा न हो  
सके, न छूटनेवाला 2. अदायगी के बाद भी वापस  
न पाना पुं. छूटकारा न होने का भाव।

**अमोचनीय** वि. (तत्.) 1. न छूटने योग्य 2.  
अदायगी के बाद भी वापस न पाया जाने वाला  
non-redeemable

**अमोद** पुं. (तत्.) 1. आनंद-रहित रहने की स्थिति।

**अमोनिया** स्त्री. (अ.) रसा. रंगहीन, तीखी गंध  
युक्त वायु से हल्की और जल में विलेय गैस NH<sub>3</sub>  
जो हाइड्रोजन और नाइट्रोजन का यौगिक है।

**अमोल** वि. (तत्.) जिसका मूल्य न आँका जा  
सके, अनमोल।

**अमोलक** वि. (तद्.) दे. अमूल्य।

**अमोला** पुं. (देश.) आम का बिलकुल नया पौधा,  
आम का उगता अंकुर।

**अमोही** वि. (तत्.) 1. जिसे किसी से मोह-ममता  
न हो, निर्मोही 2. विरक्त।

**अमौद्रीकृत** वि. (तत्.) 1. जो मुद्रांकित न हो। 2.  
जहाँ सिक्के न चलते हों (ऐसा क्षेत्र)।

**अमौन** पुं. (तत्.) 1. मौन का अभाव 2.  
आत्मज्ञान 3. मुनि न होने की अवस्था या भाव  
वि. जो चुप न रहा हो।

**अमौलिक** वि. (तत्.) 1. जो मौलिक या स्वतंत्र  
रचना न हो 2. अयथार्थ, मिथ्या 3. निर्मूल,  
बिना जड़ का बिना आधार का विलो. मौलिक।

**अम्माँ** स्त्री. (देश.) माता, माँ।

**अम** पुं. (तत्.) आम्र, आम।

**अम्ल** पुं. (तत्.) 1. खट्टे स्वाद वाला एक यौगिक  
जो क्षारों को निष्प्रभावित कर देता है और  
लिटमस कागज को लाल कर देता है 2. भोजन  
के छह रसों में से एक रस, खटाई 3. सिरका  
वि. खट्टा।

**अम्लक** पुं. (तत्.) बड़हल का पेड़ और उसका  
फल।

**अम्लघ्न** वि. (तत्.) 1. खट्टेपन को हटाने वाला,  
अम्लनाशक (पदार्थ) 2. क्षार।

**अम्लता** स्त्री. (तत्.) शरीर में अम्ल की मात्रा  
अधिक होने से उत्पन्न उदर रोग जिसके मुख्य  
लक्षण पेट में जलन और खट्टी डकारें आना हैं।

**अम्लपंचक** पु. (तत्.) आयु. पाँच खट्टे फलों का  
समुदाय, जिसमें मुख्यतः, जंबीरी नींबू, अमलबेंत  
खट्टा अनार, इमली, नारंगी आते हैं।

**अम्लवर्षा** स्त्री. (तत्.) रसा. औद्योगिक क्षेत्रों में  
धुएँ इत्यादि के रूप में वातावरण में स्थित कुछ  
यौगिकों का वर्षा जल में मिलकर बरसना।

**अम्लवृक्ष** पुं. (तत्.) 1. आँवले का पेड़ 2. इमली  
का पेड़ 3. खट्टे फल का वृक्ष।

**अम्लशूल** पुं. (तत्.) आयु. अम्ल पित्त के रोग  
के कारण उदर में होने वाला दर्द या पीड़ा।

**अम्लसार** पुं. (तत्.) 1. आमलासार 2. नींबू 3.  
अमलबेंत 4. काँजी।

**अम्लहरिद्रा** स्त्री. (तत्.) आँबाहल्दी।